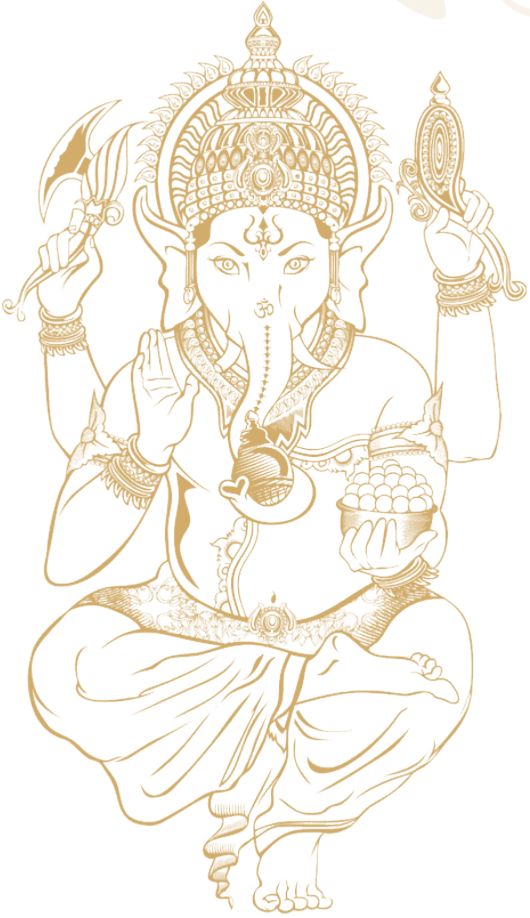

Kapil kakku bhai

17 Mar 1997

09:00 PM

Kota

Model: web-freekundliweb

Order No: 121136406

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**17/03/1997**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**21:00:00 घंटे**
इष्ट	36:05:40 घटी
स्थान	**Kota**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	25:11:00 उत्तर
रेखांश	75:58:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:33:52 घंटे
वेलान्तर	-00:08:23 घंटे
साम्पातिक काल	08:14:51 घंटे
सूर्योदय	06:33:43 घंटे
सूर्यास्त	18:35:42 घंटे
दिनमान	12:01:59 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	03:15:57 मीन
लग्न के अंश	06:28:10 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 1**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	शोभन
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	के-केवल
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	06:28:10	319:48:50	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	---
सूर्य			मीन	03:15:57	00:59:42	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	मित्र राशि
चंद्र			मिथु	21:51:07	12:06:58	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	मित्र राशि
मंगल	व		कन्या	02:49:37	00:23:32	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
बुध		अ	मीन	09:06:37	01:59:41	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	नीच राशि
गुरु			मक	18:28:17	00:11:59	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	नीच राशि
शुक्र		अ	कुंभ	29:14:11	01:14:44	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	सूर्य	मित्र राशि
शनि		अ	मीन	14:46:20	00:07:26	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	सम राशि
राहु			कन्या	04:55:34	00:00:08	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	मूलत्रिकोण
केतु			मीन	04:55:34	00:00:08	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	मूलत्रिकोण
हर्ष			मक	13:34:56	00:02:34	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	राहु	---
नेप			मक	05:35:11	00:01:25	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो	व		वृश्चि	11:45:39	00:00:19	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	---
दशम भाव			कर्क	07:39:14	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:05

लग्न-चलित

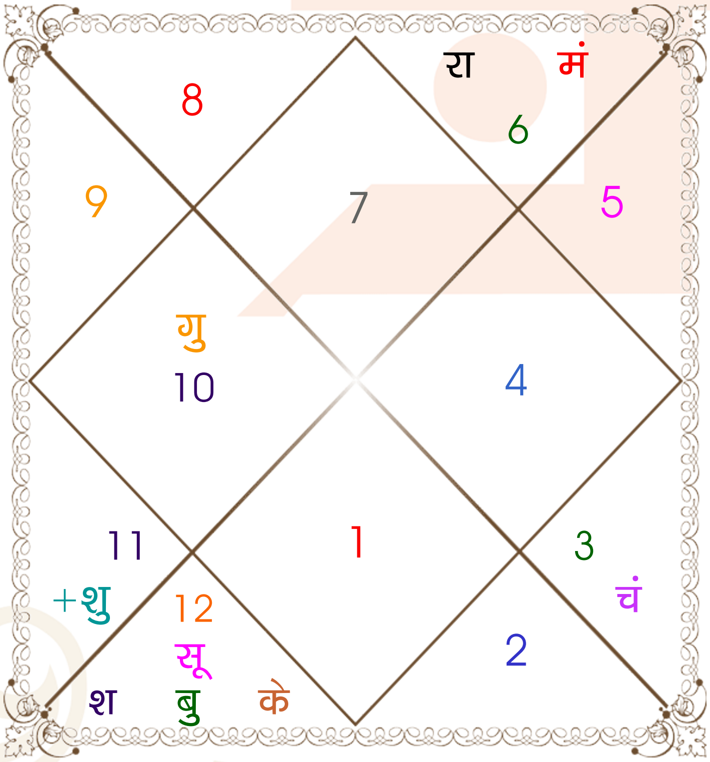

चन्द्र कुंडली

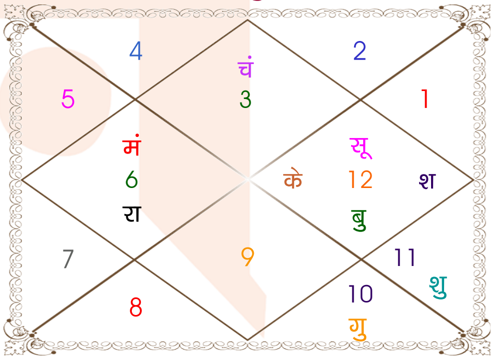

नवमांश कुंडली

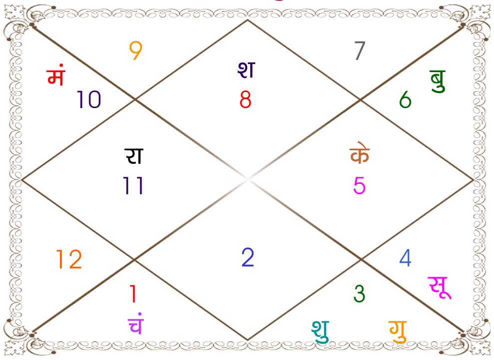

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 13 वर्ष 9 मास 10 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
17/03/1997		27/12/2010		26/12/2029		27/12/2046		26/12/2053	
27/12/2010		26/12/2029		27/12/2046		26/12/2053		26/12/2073	
	17/03/1997	शनि	29/12/2013	बुध	24/05/2032	केतु	25/05/2047	शुक्र	27/04/2057
शनि	27/08/1999	बुध	08/09/2016	केतु	21/05/2033	शुक्र	24/07/2048	सूर्य	27/04/2058
बुध	02/12/2001	केतु	17/10/2017	शुक्र	21/03/2036	सूर्य	29/11/2048	चंद्र	27/12/2059
केतु	08/11/2002	शुक्र	17/12/2020	सूर्य	26/01/2037	चंद्र	30/06/2049	मंगल	25/02/2061
शुक्र	09/07/2005	सूर्य	29/11/2021	चंद्र	27/06/2038	मंगल	26/11/2049	राहु	26/02/2064
सूर्य	27/04/2006	चंद्र	30/06/2023	मंगल	24/06/2039	राहु	14/12/2050	गुरु	27/10/2066
चंद्र	27/08/2007	मंगल	08/08/2024	राहु	11/01/2042	गुरु	20/11/2051	शनि	26/12/2069
मंगल	02/08/2008	राहु	15/06/2027	गुरु	18/04/2044	शनि	29/12/2052	बुध	26/10/2072
राहु	27/12/2010	गुरु	26/12/2029	शनि	27/12/2046	बुध	26/12/2053	केतु	26/12/2073

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
26/12/2073		27/12/2079		26/12/2089		26/12/2096		28/12/2114	
27/12/2079		26/12/2089		26/12/2096		28/12/2114		00/00/0000	
सूर्य	15/04/2074	चंद्र	26/10/2080	मंगल	25/05/2090	राहु	08/09/2099	गुरु	14/02/2117
चंद्र	15/10/2074	मंगल	27/05/2081	राहु	12/06/2091	गुरु	02/02/2102	शनि	18/03/2117
मंगल	19/02/2075	राहु	26/11/2082	गुरु	18/05/2092	शनि	09/12/2104		00/00/0000
राहु	14/01/2076	गुरु	27/03/2084	शनि	27/06/2093	बुध	28/06/2107		00/00/0000
गुरु	01/11/2076	शनि	27/10/2085	बुध	24/06/2094	केतु	16/07/2108		00/00/0000
शनि	14/10/2077	बुध	28/03/2087	केतु	20/11/2094	शुक्र	17/07/2111		00/00/0000
बुध	21/08/2078	केतु	27/10/2087	शुक्र	20/01/2096	सूर्य	09/06/2112		00/00/0000
केतु	27/12/2078	शुक्र	27/06/2089	सूर्य	27/05/2096	चंद्र	09/12/2113		00/00/0000
शुक्र	27/12/2079	सूर्य	26/12/2089	चंद्र	26/12/2096	मंगल	28/12/2114		00/00/0000

❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 13 वर्ष 9 मा 16 दि होता है।

❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगे। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगा। आप अपनी पत्नी के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र के विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगे। आप अपनी पत्नी की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पत्नी के आकर्षक के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकते हैं। संप्रति आप अपनी संगिनी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगे कि आपको एक अच्छी जीवन संगिनी प्राप्त हुई है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरुप मिथुन अथवा कुंभ राशि की जीवन संगिनी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि की संगिनी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपनी जीवन संगिनी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगे। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपका संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगे। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगे। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु वृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रुप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रुप से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु आपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए।

आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके। यह जानते हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकते हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाते हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकते हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति के हो जाते है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सके तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगा। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।